# जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
# सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 191
दिनांक 16.12.2023

## जनेकृविवि में विकसित भारत कार्यक्रम के तहत सामूहिक परिचर्चा

### भारतीय अर्थव्यवस्था के समग्र गतिशील विकास हेतु कृषि के योगदान विषय पर सामूहिक कार्यक्रम

**जबलपुर 16 दिसम्बर, 2023।** जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय,जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में विकसित भारत कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम जनेकविवि में आयोजित किये जा रहे हैं। इसी श्रंखला में कृषि महाविद्यालय जबलपुर एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर के छात्राओं के लिए विकसित भारत अंतर्गत भारतीय अर्थव्यवस्था के समग्र गतिशील विकास हेतु कृषि के योगदान विषय पर सामूहिक चर्चा कार्यक्रम का आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय सभागार में आयोजित किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में स्नातक स्तर के 25 छात्र सम्मिलित हुए हैं, जिन्होंने भारतीय कृषि के योगदान एवं 2047 तक विस्तृत भारत के स्वरूप में कृषि के योगदान विषय पर सामूहिक चर्चा की। इसके अलावा चर्चा के माध्यम से अपने महत्वपूर्ण विचारों का आदान–प्रदान किया। कार्यक्रम में सहायक छात्र कल्याण अधिकारी डॉ. अमित झा एवं निर्णायकों के रूप में रूप में गेस्ट फैकेल्टी डॉ. बादल वर्मा, डॉ. प्रवीण पटले, डॉ. अंकिता शर्मा एवं महाविद्यालय की पीएचडी एवं एमएससी के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे हैं।

कार्यक्रम के आयोजनकर्ता अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा ने जानकारी देते हुये बताया कि माननीय कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के सभी 11 महाविद्यालय में विकसित भारत कार्यक्रम के अंतर्गत युवा छात्र–छात्राओं के संवाद,जागरूकता कार्यक्रम, पोस्टर प्रतियोगिताएं, विशेषज्ञों के व्याखान सहित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विकसित भारत कार्यक्रमों की श्रंखला में विश्वविद्यालय स्तर पर विस्तृत क्रियान्वयन हेतु अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक अनुसंधान सेवाये डॉ. जी.के. कौतु, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय जबलपुर डॉ. पी.बी. शर्मा, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा सहित सभी अधिकारी बैठक में शामिल हुये, साथ ही जनेकृविवि के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालों के अधिष्ठाता भी ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने में अपनी भूमिका निभाई।